भांग की खेती से सुधरेगी 'आर्थिकी'

- बुद्धिजीवियों ने कहा कि भांग की खेती के कृषकों का प्रोत्साहन जरूरी
- कार्यशाला में भांग व कंडाली का रेशा निकलने वाली मशीन का प्रदर्शन किया

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

उत्तराखंड के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, कुलपतियों के साथ ही अनुसंधानकर्ताओं ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति को दुरस्त करने के साथ ही चिकित्सा और वैज्ञानिक उपयोग के लिए भांग की खेती को प्रोत्साहन देने की बात कही है।

भांग की खेती को लेकर बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी विश्वविद्यालय उत्तराखंड के नेतृत्व में भारत की चार प्रमुख भांग कंपनियों ने रेशे और संबद्ध उद्योगों के लिए भांग की खेती एवं प्रोसेसिंग की तकनीकी पर एक अभूतपूर्व कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि *उत्तराखंड राज्य सरकार* ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में औद्योगिक, चिकित्सा और वैज्ञानिक उपयोग के लिए भांग की खेती की नयी ड्राफ्ट नीति की घोषणा कर सक्रिय कदम उठाया है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि डॉ.परविंदर कौशल ने अपने संबोधन में भांग के कई लाभकारी उपयोगों की जानकारी द्वारा लोगों की धारणा को बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने हैम्प स्टार्टअप्स के प्रयासों की भी सराहना की

भांग की खेती को लेकर वीर माधो सिंह भंडारी विवि में आयोजित हुई कार्यशाला

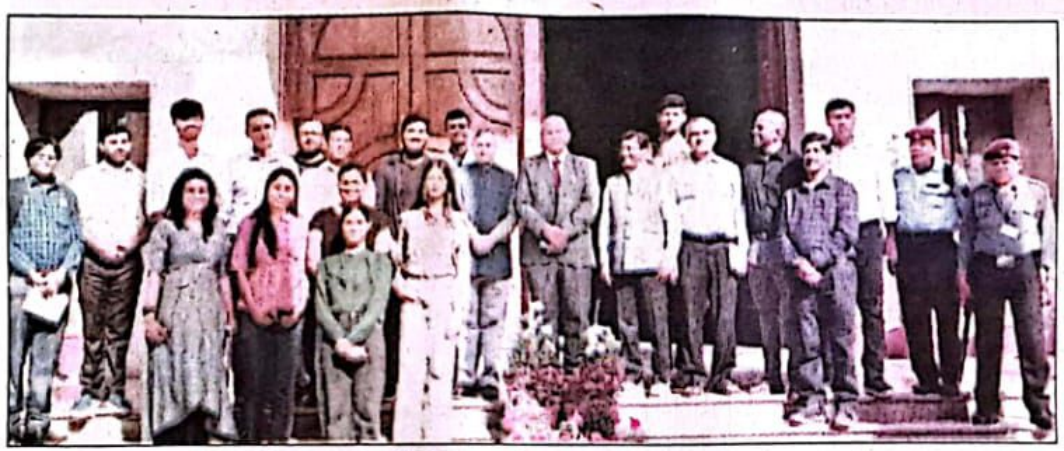

भांग की खेती को लेकर आयोजित कार्यशाला में शामिल होने के लिए आए लोग।

भांग की खेती व प्रोसेसिंग की तकनीकी प्रगति पर चर्चा की

कार्यशाला में हैंप जगत के विभिन्न उद्यमियों ने भांग की खेती एवं प्रोसेसिंग की तकनीकी प्रगति पर चर्चा की। कार्यशाला भारत में भांग उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और सस्टेनेबल एवं इस प्रकार के कार्यक्रम, भांग की लाभप्रद कृषि को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। राज्य सरकार की प्रगतिशील नीतियां, इंस्टीट्यून्स एवं इंडस्ट्री के प्रयासों के साथ मिलकर,भांग के बारे में जनता की धारणा को बदलने और राज्य के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने का काम कर रही हैं।

राज्य की प्रगतिशील नीतियों की प्रशंसा की

कैप के निदेशक डा.निरपेंद्र चौहान ने उत्तराखंड राज्य की प्रगतिशील नीतियों की प्रशंसा की, जो औद्योगिक, चिकित्सा और वैज्ञानिक उपयोग जैसे विभिन्न उद्देयों के लिए भांग की व्यावसायिक खेती का समर्थन करती हैं। उन्होंने राज्य के अनूठे गुणों पर भी प्रकाश डाला, जो इसे भारतीय भांग उद्योग में एक संभावित अग्रणी राज्य बनाते हैं।कार्यक्रम में हैंप उद्योग के लीडर्स व विशेषज्ञों द्वारा प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की गई। नम्रता हेम्पको लिमिटेड के संस्थापक हर्षवर्धन रेड्डी ने उत्तराखंड के दूर-दराज के गांवों में किसानों के लिए एक स्थायी आय का सृजन करते हुए बीज से उत्पादों तक एक मूल्य श्रृंखला बनाने का अपना विजन प्रस्तुत किया।

और डाक्टर ओंकार सिंह की भावनाओं को प्रतिवनित करते हुए प्रदेश में हेम्प उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए इंस्टीट्यूशन्स एवं इंडस्ट्री की पार्टनरशिप को ज़ोर दिया।

इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण के दौरान डाक्टर ओंकार सिंह ने हैम्प के साथ काम कर रहे विभिन्न स्टार्टअप संस्थापकों के साथ बातचीत करने के अपने विस्मयकारी अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने भांग के पाधे की बहुमुखी प्रति और राज्य के लिए इसके अपार आर्थिक लाभों पर जोर दिया। तकनीकी प्रगति के माध्यम से भांग उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए विवि की प्रतिबद्धता स्थापित की।

कार्यक्रम में आगाज फेडरेशन पीपलकोटी चमोली के जेपी मैठाणी, देहरादून के ओद्योगिक भांग के किसान संकेत जैन , ईआरबी टेक्सटाइल के प्रशांत अग्रवाल, टेक्सटाइल द्वारा विकसित भांग और कंडाली का रेशा निकलने वाली मशीन का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यशाला में भरसार विश्वविद्यालय के कुलपति डा.परविंदर कौशल, कैप उत्तराखंड के निदेशक डा.नृपेंद्र चौहान, वीर माधो सिंह भंडारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर ओंकार सिंह,झारखंड के पूर्व मुख्य वन सरक्षक आशीष रावत, एफआरआई से डा.विनीत कुमार, निनफेट पश्चिम बंगाल से वैज्ञानिक डॉक्टर कार्तिक सामंत, एक्साइज उत्तराखंड के तकनीकी अधिकारी डाक्टर शिवेंद्र चौहान, भरसार से अनुसंधान निदेशक डा.अमोल वशिष्ठ, डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉक्टर अरविंद बिजल्वान आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड में ईको सेंसिटिव जोंस में भांग

आईआईटी रुड़की में इनक्यूबेटेड पौड़ी जिले के स्टार्टअप गोहेम्प एग्रोवेन्चर्स की कोफाउंडर नम्रता कंडवाल ने राज्य में ईको सेंसिटिव जोंस में भांग से सस्टेनेवल बिल्डिंग्स के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। हिमाचल प्रदेश के इट्स हेम्प के संस्थापक सृजन शर्मा ने कंस्यूमर टेक्नॉलाजी के माध्यम से हैंप के उत्पादों को उपभोगताओं तक पहुंचाने,जागरूक करने के अपने प्रयासों को साझा किया। ओडिशा से कार्यक्रम में शामिल हुए डेल्टा बटनिकल्स के संस्थापक विक्रम मित्र ने राज्य की पारम्परिक भांग की नस्लों की वैज्ञानिक रूप से जीनोटाइपिंग और फीनोटाइपिंग की आवश्यकता पर जोर दिया और अपनी प्रतिबद्धता ज़ाहिर की।

ठगों ने तीन लाख निकाले

- पीड़ित मैक्स अस्पताल मे लेना चाह रहा था अप्वाईमेन्ट
- फोन पर लिंक भेजकर दिया आरोपितों ने घटना को अंजाम

देहरादून(एसएनबी)। उपचार के लिए अस्पताल में अपॉइंटमेंट के नाम पर ठगों ने एक बीमार के खाते से करीब तीन लाख रुपए साफ कर दिए। अप्वाईमेन्ट के लिए पीड़ित को फोन पर लिंक भेजा गया था। पीड़ित की शिकायत पर नेहरू कॉलोनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। फोन नंबर के जरिए पुलिस ठगों की जानकारी निकालने का प्रयास कर रही है। धर्मपुर शिव मंदिर के पास रहने वाले महेंद्र सिंह ने नेहरू कॉलोनी पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि बीमार होने के कारण वह मैक्स अस्पताल में डॉक्टर से जांच करवाना जा रहे थे। इसके लिए उन्हें अपॉइंटमेंट की जरूरत हुई। इसके लिए उन्होंने गूगल पर ऑनलाइन सर्च किया, जहां से उन्हें एक टोल फ्री नंबर मिला। इस टोल फ्री नंबर पर कॉल करने पर उन्हें बताया गया कि टोल फ्री नंबर पर अपॉइंटमेंट नहीं दिया जाता और इसके लिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद दूसरी ओर से बात करने वाले शख्स ने उन्हें फोन पर एक लिंक भेजा और इस लिंक पर अपनी डिटेल देने को कहा। हालांकि उन्होंने इस लिंक पर कोई डिटेल नहीं दी। इसके बावजूद उनके दो बैंक खातों से तीन दिन में 2,95,495 रुपए की रकम कट गई।खाते से रकम निकलने के बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ, जिस पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। महेंद्र सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।